

केंद्रीय मंत्री श्री किरेन रिजिजू ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया के 105वें स्थापना दिवस समारोह और भव्य छह दिवसीय 'तालीमी मेला' का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने आज विश्वविद्यालय के एम.ए. अंसारी सभागार में आयोजित एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ अपने 105वें स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत की। इस कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री श्री किरेन रिजिजू ने किया, जोकि जेएमआई के कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ़, रजिस्ट्रार प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी और छात्र कल्याण डीन प्रो. नीलोफर अफ़ज़ल की उपस्थिति में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

समारोह की शुरुआत माननीय मंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर देकर की गई, जिसके बाद पवित्र कुरान की एक आयत का पाठ किया गया और फिर जामिया स्कूल के छात्रों द्वारा 'जामिया तराना' का भावपूर्ण गायन हुआ। खचाखच भरे अंसारी सभागार में, इस महत्वपूर्ण और महत्वपूर्ण अवसर के अनुरूप संस्थान की समृद्ध विरासत की भावना से गूंजते हुए, एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उद्घाटन के साथ ही छह दिवसीय शैक्षिक और सांस्कृतिक मेले, जामिया के प्रतिष्ठित 'तालिमी मेले' का भी शुभारंभ हुआ, जो इस वर्ष एक दशक से भी अधिक समय से अभूतपूर्व भव्यता के साथ लौटा है।

उद्घाटन समारोह का एक प्रमुख आकर्षण जामिया के फ्लैगशिप न्यूज़लेटर 'जौहर' के विशेष अंक का विमोचन था। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2024 से सितंबर 2025 की अवधि को कवर करने वाला यह विशेष अंक आठ वर्षों के अंतराल के बाद फिर से प्रकाशित किया गया है। इसके बाद मंत्री महोदय द्वारा जामिया की विशाल वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन भी किया गया।

अपने संबोधन में, केंद्रीय मंत्री श्री किरेन रिजिजू जी ने जामिया के संस्थापकों, मौलाना मोहम्मद अली जौहर, डॉ. एम. ए. अंसारी, डॉ. मुहम्मद मुजीब आदि को श्रद्धांजलि अर्पित की और इसके निर्माण के प्रारंभिक वर्षों में महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर, सरोजिनी नायडू और मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के अभूतपूर्व योगदान को याद किया। इस महान संस्थान जामिया की अकादमिक उत्कृष्टता से प्रभावित होने की बात कहते हुए, जोकि अपने 11 संकायों, 48 विभागों और 28 उत्कृष्टता एवं अनुसंधान केंद्रों के अंतर्गत पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत सूची प्रस्तुत करता है और जिसने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत ऊँची रैंकिंग हासिल की है, श्री रिजिजू ने कहा, "जेएमआई अपनी अकादमिक दक्षता और अनूठी सांस्कृतिक समृद्धि में बेजोड़ है और *मेरे दिल में खास जगह है जामिया के लिए*।"

भारत जैसे विशाल संसदीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली- जिसमें विभिन्न क्षेत्रों, विचारधाराओं और समुदायों से संबंधित निर्वाचित प्रतिनिधि होते हैं, जिससे मुद्दों पर गरमागरम और लंबी बहस होती है, उसके बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा "जेएमआई भारत की समग्र संस्कृति का सबसे बड़ा उदाहरण है और 'अनेकता में एकता' के दर्शन का प्रतीक है और यह ऐसा विश्वविद्यालय होना चाहिए जो पूरे देश को एकता, राष्ट्रवाद और भाईचारे का सबसे शक्तिशाली संदेश देता हो और देता रहा है।"

जामिया की राष्ट्रवाद और देशभक्ति की अटूट और बेदाग भावना, देश और शिक्षा के प्रति सेवा, निष्ठा और प्रतिबद्धता की विरासत की प्रशंसा करते हुए, श्री रिजिजू जी ने कहा, "जामिया का नाम अत्यधिक सम्मान और गौरव का प्रतीक है और इसे हमेशा उच्च सम्मान दिया जाता है।" उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 6 अल्पसंख्यक समुदायों, अर्थात् मुस्लिम, जैन, बौद्ध, सिख, ईसाई और पारसी, में मुसलमानों की संख्या सबसे अधिक है और सरकार उनमें से प्रत्येक के बारे में चिंतित है और उनके कल्याण के लिए कार्य करती है। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री के रूप में श्री रिजिजू ने कहा कि वह और उनका मंत्रालय जामिया को पूर्ण समर्थन प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि अंसारी सभागार, जहाँ उद्घाटन समारोह हो रहा था, जामिया के कद और भव्यता को ध्यान में रखते हुए बड़ा होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि उनका मंत्रालय बैठने की अधिक क्षमता वाला एक सभागार स्थापित करने में जामिया को सहयोग देगा। उर्दू को विश्व की सबसे खूबसूरत भाषा बताते हुए श्री रिजिजू ने कहा कि इस महत्वपूर्ण अवसर पर जामिया का दौरा करने और विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समृद्धि तथा माहौल में डूबने के बाद, जिसका भाव जामिया तराना में समृद्ध उर्दू शब्दों से मिलता है, उनकी नज़र में विश्वविद्यालय का सम्मान कई गुना बढ़ गया है।

जामिया द्वारा पिछली एक सदी में की गई प्रगति की सराहना करते हुए, श्री रिजिजू जी ने कहा कि 155 देशों का दौरा करने के बाद, "मैं कह सकता हूँ कि भारत का भविष्य सुरक्षित है क्योंकि इसका संविधान दुनिया के सबसे बेहतरीन, सबसे लंबे और सबसे सुदृढ़ संविधानों में से एक है। जहाँ कई देशों ने राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता और विफलता देखी है, वहीं भारत ने हाल के दिनों में अभूतपूर्व विकास और प्रगति देखी है।" उन्होंने उपस्थित सम्मानित जनसमूह को याद दिलाते हुए कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मिशन और विज़न "विकसित भारत 2047" को पूरा करने के लिए हमारे पास केवल 22 वर्ष शेष हैं, कहा- "जिस गति से देश प्रगति कर रहा है, उससे हम इसे और तेज़ी से प्राप्त कर पाएँगे। जहाँ पहले भारत की विकास दर 2-3% की धीमी थी और दुनिया तेज़ी से आगे बढ़ रही थी, वहीं आज हम उस प्रवृत्ति को उलटते हुए देख रहे हैं क्योंकि दुनिया की अधिकांश अर्थव्यवस्थाएँ 2-3% की विकास दर पर आ गई हैं, जबकि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत 7% की उच्च विकास दर दर्ज कर रहा है।"

अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन करने के लिए कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ़ ने अपने संबोधन में माननीय मंत्री जी का हार्दिक आभार व्यक्त किया। मंत्री जी का स्वागत करते हुए, प्रो. आसिफ़ ने हृदयस्पर्शी दोहे सुनाए और जामिया के संस्थापकों के विज़न और मिशन की प्रशंसा की और देश में शिक्षा के इस ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण केंद्र के निर्माण के प्रति जामिया के सभी पूर्व कुलपति के जुनून और प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि कुलपति के रूप में उनके एक साल पूरा होने का अवसर इस ऐतिहासिक तालीमी मेले के साथ जुड़ता है। उन्होंने सभी से मिले सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और विश्वविद्यालय की न केवल अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि की, बल्कि समग्र शिक्षा के माध्यम से ऐसे छात्रों का निर्माण करने की भी प्रतिबद्धता जताई जो जामिया मिल्लिया इस्लामिया की भावना को मूर्त रूप देते हैं। यह शिक्षा ज्ञान और सूचना प्रदान करने से कहीं आगे जाकर विचारों और अवधारणाओं के साथ आत्मचिंतन और दार्शनिक जुड़ाव पर केंद्रित है। प्रोफेसर आसिफ़ ने कहा कि यह इस ऐतिहासिक संस्थान के संस्थापकों की महान दूरदृष्टि थी और तालीमी मेला 2025 जामिया मिल्लिया इस्लामिया की राष्ट्रीय सेवा, आधुनिकता के साथ परंपरा का एकीकरण, महिला सशक्तिकरण, उद्देश्य की निष्ठा और ईमानदारी तथा ज्ञान की उत्साही खोज के अपने संस्थापकों के आदर्शों के प्रति स्थायी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

"105वां स्थापना दिवस एक मील का पत्थर है जो हमारे अतीत का सम्मान करता है और हमें एक उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित करता है। जामिया सिर्फ एक विश्वविद्यालय नहीं, बल्कि एक विचार, एक स्वप्न, एक दर्शन, एक अद्वितीय परंपरा है जो राष्ट्र के इतिहास और उसके स्वतंत्रता संग्राम की याद दिलाती है। इस प्रकार, जामिया ने राष्ट्र में अपना उचित स्थान अर्जित किया है, जो अपनी बेजोड़ परंपरा और संस्कृति के कारण सर्वोच्च स्थान पर है। हमें यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि जामिया ने क्या हासिल किया है, क्योंकि इसका नाम ही सब कुछ कहता है।" प्रो. आसिफ़ ने कहा।

जामिया के रजिस्ट्रार प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी ने अपने संबोधन में 29 अक्टूबर, स्थापना दिवस को जामिया के लिए एक शुभ अवसर बताते हुए, माननीय मंत्री महोदय को जामिया को दिए गए उनके उदार सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पहले के मुकाबले जब जामिया को 2006 में अपनी स्थापना के बाद से अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय से कोई अनुदान नहीं मिल रहा था, अब श्री रिजिजू जी के नेतृत्व में विश्वविद्यालय को दो अत्यंत महत्वपूर्ण और भविष्योन्मुखी परियोजनाओं - एक, इलेक्ट्रिक वाहन पर एक शोध प्रयोगशाला और दूसरी, एक साइबर-सुरक्षा परीक्षण प्रयोगशाला - को मंजूरी दी गई है, और मंत्री महोदय ने अन्य परियोजनाओं में भी जामिया की मदद करने की प्रतिबद्धता जताई है। प्रो रिज़वी ने कहा कि श्री रिजिजू जी ने जेएमआई की प्रतिष्ठित आवासीय कोचिंग अकादमी, जिसने देश को सैकड़ों सिविल सेवक दिए हैं, उसके लिए एक पूरी तरह से वातानुकूलित पुस्तकालय को मंजूरी देने पर भी सहमति व्यक्त की है। सभा को सूचित करते हुए कि अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने भी बुनियादी ढांचे के विकास और छात्रावासों और स्मार्ट कक्षाओं के निर्माण के लिए जेएमआई को 181 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं जामिया के संस्थापकों के बलिदानों को याद करते हुए, उन्होंने छात्रों को जामिया का नाम और उच्च प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करने की याद दिलाई। उन्होंने कहा, "स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, जामिया के शिक्षकों और छात्रों ने बौद्धिक जागृति, देशभक्तिपूर्ण संवाद और सामाजिक सुधार के माध्यम से योगदान दिया। यह एक ऐसा स्थान बन गया जहाँ शिक्षा और राष्ट्रवाद ने राष्ट्र की मुक्ति के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। आज भी, जामिया राष्ट्रवाद और धर्मनिरपेक्षता का एक शक्तिशाली प्रतीक बना हुआ है—जो राष्ट्र निर्माण के साझा प्रयास में जाति, पंथ और धर्म की सीमाओं से परे लोगों को एकजुट करता है।" जामिया के भविष्य के दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए, प्रो. रिज़वी ने कहा, "जामिया की नींव देशभक्ति, सामाजिक उत्तरदायित्व और समावेशी शिक्षा के मूल्यों पर आधारित थी। अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए, जामिया ऐसे व्यक्तियों को सहयोग देना जारी रखता है जो आलोचनात्मक रूप से सोचते हैं, नैतिक रूप से कार्य करते हैं और निस्वार्थ भाव से सेवा करते हैं।"

जामिया स्कूल की गायक मंडली द्वारा 'जामिया रक्स कुना हो के तेरी ईद है आज' की मनमोहक संगीतमय प्रस्तुति के बाद, अपने धन्यवाद ज्ञापन में, डीन छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) प्रो. नीलोफर अफ़ज़ल ने माननीय मंत्री, कुलपति, कुलसचिव, संकाय सदस्यों, छात्रों, डीएसडब्ल्यू टीम के सदस्यों और जामिया के सुरक्षा, स्वच्छता और बागवानी विभागों को इस आयोजन को सफल बनाने में अथक परिश्रम करने के लिए धन्यवाद दिया।

उद्घाटन समारोह के बाद, श्री रिजिजू जी ने पुस्तक मेले का उद्घाटन किया, जिसमें डॉ. ज़ाकिर हुसैन पुस्तकालय द्वारा आयोजित 16 स्टॉल और तालीमी मेला मंडप में संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर एक विशेष बूथ शामिल था, जिसमें एसडीजी में अपनी सर्वोत्तम प्रैक्टिसेज़ को प्रदर्शित किया गया था। यह इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि हाल ही में घोषित एनआईआरएफ इंडिया रैंकिंग 2025 में जेएमआई को सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) श्रेणी में तीसरा स्थान मिला था। इस कार्यक्रम के

समन्वयक प्रो. एहतेशामुल हक़ ने अपने छात्रों और संकाय सदस्यों की टीम के साथ मंत्री महोदय को सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) लक्ष्यों के अनुसार डिज़ाइन किए गए कार्यशील अनुसंधान प्रोटोटाइप मॉडल प्रदर्शित किए। इस अवसर पर सर्वोत्तम प्रैक्टिसेज़ का सारांश भी जारी किया गया।

छह दिनों तक चलने वाले तालीमी मेले में विभिन्न शैक्षणिक सत्र, प्रदर्शनियाँ, कार्यशालाएँ और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे, जिनमें प्रख्यात विद्वान, शिक्षाविद और कला एवं संस्कृति के पारखी भाग लेंगे। प्रत्येक शाम का समापन विशेष संगीत कार्यक्रमों के साथ होगा। तालीमी मेला 2025 अपने विशाल और भव्य होने के कारण उल्लेखनीय है और महामारी के बाद से इस स्तर का यह पहला पूर्ण उत्सव है। जेएमआई का तालीमी मेला दिल्ली के महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और शैक्षिक उत्सवों में से एक माना जाता है, जिसका विश्वविद्यालय के 21,000 छात्रों, पूर्व छात्रों और व्यापक स्थानीय समुदाय द्वारा बेसब्री से इंतज़ार किया जाता है।

प्रोफेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
मो: 9891227771